बरेली, सोमवार
19 मई 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

PAGE NO 2 : MIDDLE

झोरो झोरो झोरो रोंगर झरना से दी गुरु टैगोर को श्रद्धांजलि

- रिद्धिमा में कथक के शिक्षक-विद्यार्थियों ने दी विशेष प्रस्तुति
- राष्ट्रीय गान को नृत्य कला के जरिये किया प्रस्तुत

जास, बरेली : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर के झोरो झोरो झोरो रोंगर झरना गीत पर मनमोहक नृत्य के जरिए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कथक के शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों ने गुरु रविंद्रनाथ टैगोर के ने पगली हवा, दुई हटे कालेर मोंदिरा, जाने प्यार कैसे कहते हैं, मोमो चित्ते नाचे सुंदर नार पर अपनी नृत्य प्रतिभा को प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों ने सुनाला सुनाला बालिका, मोर बीना ओथै जैसे गीतों पर भी अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। कथक गुरु अंशू शर्मा ने गीत गुह्यना कुसुमा कुन्जा माझे पर विद्यार्थियों का साथ देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके बाद कथक गुरु देबाज्योति नस्कर और रियाश्री चटर्जी ने गीत टैगोर के गीत इशो श्यामलो सुंदरो गीत पर अपनी छाप छोड़ी। देबाज्योति नस्कर, रियाश्री चटर्जी और अंशू शर्मा ने टैगोर के गीत झोरो झोरो झोरो रोंगर झरना को भी अपने नृत्य से दर्शकों के सामने रखा। इस दौरान कथक गुरुओं और विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय गान को भी नृत्य कला के जरिये दर्शकों के सामने रखा।

इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा.शैलेश सक्सेना व अन्य प्रबुद्धजन रहे।